SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Deputy Jailor (Prisons Department, Rajasthan)

उप जेलर राजस्थान के कारागार विभाग का पहला अधिकारी-स्तर का पद है — जेल के भीतर बंदियों की सुरक्षा, अनुशासन, गणना, मुलाक़ात, अभिलेख और सुधार कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी इसी पर होती है। भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड सी.ई.टी....

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-deputy-jailor

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

उप जेलर राजस्थान के कारागार विभाग का पहला अधिकारी-स्तर का पद है — जेल के भीतर बंदियों की सुरक्षा, अनुशासन, गणना, मुलाक़ात, अभिलेख और सुधार कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी इसी पर होती है। भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड सी.ई.टी. स्नातक स्तर के रास्ते करता है, और आयु-सीमा असामान्य रूप से संकरी है — 18 से 24 वर्ष। जो विद्यार्थी इस पद में रुचि रखता है उसे यह बात कक्षा 12 में ही जान लेनी चाहिए, क्योंकि स्नातक पूरा होते-होते खिड़की लगभग बंद होने लगती है। चीफ हेड वार्डर और सहायक जेलर के पुराने पद अब इसी पद में मिला दिए गए हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	किसी भी विषय में स्नातक + सी.ई.टी. स्नातक स्तर उत्तीर्ण
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.), जयपुर
आयु-सीमा	18 वर्ष पूर्ण तथा 24 वर्ष से कम — इन 21 पदों में सबसे संकरी आयु-खिड़कियों में से एक — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं — विज्ञप्ति देखें
माँग	प्रदेश की हर केंद्रीय, ज़िला एवं उप-कारागार में पद स्वीकृत; 50% पद सीधी भर्ती से

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कानून, व्यवस्था एवं अनुशासन से जुड़ा काम
- लोगों के व्यवहार को समझना एवं सुधार में विश्वास
- ज़िम्मेदारी लेना और टीम का नेतृत्व करना

क्षमताएँ

- तनाव और दबाव में शांत रहकर निर्णय लेना
- शारीरिक फिटनेस एवं सतर्कता
- निष्पक्षता — बिना पक्षपात के नियम लागू करना

ज़रूरी कौशल

- राजस्थान कारागार नियमों एवं बंदी अधिकारों की समझ
- अभिलेख, रजिस्टर एवं जेल की रिपोर्टिंग
- बंदियों के कौशल-प्रशिक्षण एवं सुधार कार्यक्रमों का संचालन
- कंप्यूटर पर ई-प्रिज़न प्रणाली का उपयोग
- बंदियों की गणना, तलाशी एवं सुरक्षा प्रक्रिया
- संघर्ष को बढ़ने से पहले सुलझाना
- न्यायालय पेशी, मुलाक़ात एवं पैरोल की प्रक्रिया

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 किसी भी संकाय से उत्तीर्ण करें। इसी समय आयु-सीमा का हिसाब लगा लें — ऊपरी सीमा 24 वर्ष है।
2. किसी भी विषय में स्नातक पूरा करें। सेवा नियम केवल इतना कहते हैं कि अभ्यर्थी भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से स्नातक हो।
3. स्नातक के अंतिम वर्ष से ही शारीरिक तैयारी शुरू करें — ऊँचाई एवं सीने का माप तथा दृष्टि मानक इस पद पर अन्य पदों से कड़े हैं।
4. आर.एस.एस.बी. की सी.ई.टी. स्नातक स्तर परीक्षा उत्तीर्ण करें; अंक 3 वर्ष तक मान्य रहते हैं।
5. उप जेलर भर्ती की विज्ञप्ति आने पर एस.एस.ओ. पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन करें और मुख्य परीक्षा दें।
6. शारीरिक माप-तौल, दृष्टि परीक्षण एवं दस्तावेज़ सत्यापन के बाद कारागार में नियुक्ति लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सी.ई.टी. स्नातक स्तर (आर.एस.एस.बी.) — सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची-I में उप जेलर का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज है, इसलिए यह पात्रता परीक्षा अनिवार्य है। अंक 3 वर्ष तक मान्य।
- शारीरिक मानक — सेवा नियमों के अनुसार 168 सेमी से कम ऊँचाई, 81 सेमी से कम बिना फुलाए सीना अथवा 86 सेमी से कम फुलाकर सीना होने पर अभ्यर्थी शारीरिक रूप से अयोग्य माना जाता है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को 5 सेमी तक की छूट है।
- उप जेलर मुख्य लिखित परीक्षा — बोर्ड द्वारा संचालित। अंक-योजना, अवधि एवं पाठ्यक्रम उसी चक्र की विज्ञप्ति में प्रकाशित होते हैं; आवेदन से पहले वही पढ़ें।
- दृष्टि मानक — उप जेलर एवं वार्डर के लिए बिना चश्मे दूर दृष्टि 6/6 एवं 6/6 तथा निकट दृष्टि J5 व J5 आवश्यक है। यह विभाग के अन्य पदों के मानक (6/9 एवं 6/18) से कड़ा है, इसलिए आँखों की जाँच पहले ही करा लें।

- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government colleges of Rajasthan — graduation in any faculty — हर ज़िले में राजकीय महाविद्यालय (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- District sports stadiums and school grounds — free physical preparation — ज़िला मुख्यालय एवं ब्लॉक

ऑनलाइन

- कारागार विभाग, राजस्थान — विभागीय जानकारी एवं जेल ढाँचा — यह पद किस विभाग में है, यह समझने के लिए (https://jail.rajasthan.gov.in)
- राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा (सामान्य पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 — अनुसूची-I में उप जेलर का नाम — मूल दस्तावेज़ (https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20230718033215801714 7CET-18-7-2023_merged.pdf)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)

- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

सरकारी महाविद्यालय से स्नातक की फीस लगभग ₹3,000 – ₹15,000 प्रति वर्ष होती है। सी.ई.टी. एवं मुख्य परीक्षा का शुल्क कुछ सौ रुपये है, जिसमें आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है। शारीरिक तैयारी के लिए किसी शुल्क की आवश्यकता नहीं — दौड़ और व्यायाम विद्यालय के मैदान या ज़िला स्टेडियम में निःशुल्क किए जा सकते हैं। महँगी कोचिंग इस पद के लिए आवश्यक नहीं है; बोर्ड का पाठ्यक्रम एवं पिछले प्रश्न-पत्र निःशुल्क उपलब्ध हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

केंद्रीय कारागार, ज़िला कारागार, उप-कारागार, खुली जेल एवं किशोर सुधार गृह — प्रदेश भर में। ड्यूटी जेल परिसर के भीतर होती है और पाली में चलती है।

कार्य-संस्कृति

यह अनुशासित, वर्दीधारी और ज़िम्मेदारी से भरा काम है। रात्रि पाली, त्योहारों पर ड्यूटी और आपात स्थिति में तत्काल उपस्थिति सामान्य बात है। एक ओर सुरक्षा की सख़्ती और दूसरी ओर बंदियों के सुधार व पुनर्वास का उद्देश्य — दोनों को साथ लेकर चलना पड़ता है, और यही इस पद की असली कठिनाई भी है और सार्थकता भी। महिलाओं के लिए महिला कारागार एवं महिला बंदी-वार्ड में पद हैं।

कौन नौकरी देता है

- कारागार विभाग, राजस्थान सरकार
- ज़िला एवं उप-कारागार
- किशोर न्याय बोर्ड से जुड़े सुधार गृह
- केंद्रीय कारागार — जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, कोटा, अलवर, भरतपुर
- खुली बंदी शिविर (ओपन जेल)
- गृह विभाग की सुरक्षा एवं प्रशिक्षण इकाइयाँ

माँग (2026)

कारागार विभाग का ढाँचा स्थायी है — प्रदेश की हर केंद्रीय, ज़िला एवं उप-कारागार में उप जेलर के पद स्वीकृत हैं और सेवानिवृत्ति तथा पदोन्नति से रिक्तियाँ बनती रहती हैं। सेवा नियमों के अनुसार इस पद के 50% पद सीधी भर्ती से और 50% पदोन्नति से भरे जाते हैं — यानी विज्ञप्ति में दिखने वाली संख्या पूरे संवर्ग की आधी होती है। साथ ही चीफ हेड वार्डर और सहायक जेलर के पुराने पद इसी में मिला दिए गए हैं, जिससे संवर्ग बड़ा हुआ है। सबसे बड़ी बाधा पदों की संख्या नहीं, आयु है: 18 से 24 की खिड़की का अर्थ है कि अधिकांश विद्यार्थियों को केवल दो या तीन प्रयास मिलते हैं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. उप जेलर (परिवीक्षाधीन) — कारागार में नियुक्ति
2. जेलर — सेवा नियमों के अनुसार उप जेलर से पदोन्नति द्वारा
3. वरिष्ठ जेलर एवं उप अधीक्षक स्तर के पद
4. कारागार अधीक्षक
5. उप महानिरीक्षक (कारागार) तक — दीर्घ सेवा एवं पदोन्नति के माध्यम से

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹40,000 – ₹55,000 (भत्तों सहित, जेलर स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹60,000 से अधिक (भत्तों सहित, अधीक्षक स्तर पर)

यह अधिकारी-स्तर का राजपत्रित-पूर्व पद है और इसका वेतन कांस्टेबल या लिपिक श्रेणी के पदों से ऊँचा है। मध्य-स्तर एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े पदोन्नति के बाद की अनुमानित मासिक आय हैं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- किसी भी विषय से स्नातक पात्र — विज्ञान या वाणिज्य आवश्यक नहीं
- अधिकारी-स्तर का पद, जेलर से अधीक्षक तक पदोन्नति का स्पष्ट रास्ता
- वर्दी, आवास एवं विभागीय सुविधाएँ तथा स्थायी सरकारी सेवा

चुनौतियाँ

- आयु-सीमा केवल 18 से 24 — अधिकांश विद्यार्थियों को दो-तीन प्रयास ही मिलते हैं
- ऊँचाई, सीने के माप एवं दृष्टि के कड़े मानक, जिन पर कोई छूट सीमित है
- रात्रि पाली, त्योहारों पर ड्यूटी और लगातार मानसिक दबाव वाला वातावरण

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- पटवारी (राजस्व विभाग, राजस्थान)
- ग्राम विकास अधिकारी (वी.डी.ओ. / ग्राम सेवक)
- राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस./आर.टी.एस.)

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान कारागार अधीनस्थ सेवा नियम, 1998 (कार्मिक विभाग) — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023052603412 24100470Jail1998_merged.pdf

2. सी.ई.टी. नियम 2022 — अनुसूची-I में उप जेलर — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023071803321580171147CET -18-7-2023_merged.pdf

3. कारागार विभाग, राजस्थान सरकार — https://jail.rajasthan.gov.in

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183 289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in